प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 01 फरवरी, 2023

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

फरवरी 2023 के दौरान वर्षा और तापमान के लिए मासिक दृष्टिकोण
Monthly outlook for rainfall and temperature during February 2023

<u>मुख्य विशेषताएं</u>

क) 2023 फरवरी के लिए उत्तर पश्चिम भारत, जिसमें सात मौसम संबंधी उपखंड (पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख) शामिल हैं, में मासिक वर्षा सामान्य (दीर्घावधिऔसत (एलपीए) का 89-112%) रहने की संभावना है । फरवरी 2023 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 82-119%) रहने की संभावना है । उत्तर पूर्व, पूर्व और पूर्व मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों और उत्तर पश्चिम भारत के अनेक हिस्सों में वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है । दक्षिन प्रायद्वीप भारत के अधिकांश हिस्सों, पश्चिम मध्य भारत के अनेक हिस्सों और उत्तर पश्चिम भारत के इक्का-दुक्का स्थानो में वर्षा सामान्य या सामान्य से अधिक होने की संभावना है ।

ख) फरवरी 2023 के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में मासिक न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है केवल पूर्वोत्तर भारत और इसके आस-पास के पूर्वी भारत, पश्चिम तट के उत्तरी भागों और उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की अधिक संभावना है ।

ग) फरवरी 2023 के लिए मासिक अधिकतम तापमान प्रायद्वीप भारत के अधिकांश हिस्सों और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम रहने की संभावना है। पूर्व और पूर्वोत्तर भारत, पूर्व मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों और उत्तर पश्चिम तथा पश्चिम मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। देश के शेष हिस्सों में अधिकतम तापमान एवं जलवायु संबंधी संभावनाओं के सामान्य रहने की प्रागुक्ति है।

फरवरी 2023 के दौरान वर्षा और तापमान के लिए मासिक दृष्टिकोण

1. पृष्ठभूमि

उत्तर पश्चिम भारत में सात मौसम संबंधी उपखंड (पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख) शामिल हैं, जो जनवरी से मार्च माह के दौरान अपनी वार्षिक वर्षा का लगभग 18% प्राप्त करते हैं। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख विशेष रूप से इस अवधि के दौरान अपनी वार्षिक वर्षा का लगभग 31% प्राप्त करते हैं। क्षेत्र में रबी फसलों के लिए सर्दियों की वर्षा बहुत महत्वपूर्ण है और साथ ही साथ यह क्षेत्र के जल प्रबंधन के लिए भी महत्वपूर्ण है। इन्हीं कारणों से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी / IMD) उत्तरपश्चिम भारत में सर्दियों की वर्षा के लिए दीर्घावधि पूर्वानुमान जारी करता रहा है। आईएमडी पूर्वानुमान मॉडल के कौशल में सुधार करने के लिए भी लगातार काम करता है। वर्तमान रणनीति नव विकसित मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल (एमएमई/MME) पर आधारित है। एमएमई/MME दृष्टिकोण आईएमडी/पृ.वि.मं. (IMD/MoES) मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) मॉडल सहित विभिन्न वैश्विक जलवायु पूर्वानुमान और अनुसंधान केंद्रों से युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीसीएम/CGCMs) का उपयोग करता है। आईएमडी ने फरवरी 2023 की वर्षा के लिए निम्नानुसार मासिक दृष्टिकोण तैयार किया है और इसे खंड 2 में प्रस्तुत किया गया है।

क. फरवरी 2023 में उत्तरपश्चिम भारत की औसतन वर्षा के लिए संभावित पूर्वानुमान ।

ख. फरवरी 2023 में भारत की औसतन वर्षा के लिए संभावित पूर्वानुमान ।

ग. फरवरी 2023 के लिए देश भर में संभावित वर्षा के पूर्वानुमान का स्थानिक वितरण।

2016 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी / IMD), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (पृ.वि.मं./MoES) गर्म और ठंडे मौसम दोनों ऋतुओं के लिए देश भर में तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान दृष्टिकोण जारी कर रहा है। आईएमडी ने अब देश भर में फरवरी 2023 के लिए मासिक तापमान दृष्टिकोण तैयार किया है और इसे खंड 3 में प्रस्तुत किया गया है ।

2. फरवरी 2023 के दौरान वर्षा के लिए संभावित पूर्वानुमान

उत्तरपश्चिम भारत में फरवरी 2023 माह की औसत वर्षा सामान्य (दीर्घावधिऔसत (एलपीए) का 89-112%) रहने की संभावना है । 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर फरवरी के दौरान उत्तरपश्चिम भारत में वर्षा का दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) लगभग 65.0 मिमी है। फरवरी 2023 माह के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 82-119%)

रहने की संभावना है। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर फरवरी माह के दौरान पूरे देश में वर्षा का दीर्घावधि औसत (एलपीए) लगभग 22.7 मिमी है ।

फरवरी **2023** के लिए देश भर में टर्सिल वर्षा श्रेणियों (सामान्य से अधिक**,** सामान्य और सामान्य से नीचे) के स्थानिक वितरण के लिए संभावित पूर्वानुमान चित्र **1** में दिखाया गया है । पूर्वानुमान से पता चलता है कि पूर्वोत्तर, पूर्व और पूर्व मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों में और उत्तर पश्चिम भारत के अनेक स्थानों में वर्षा सामान्य से कम होने की संभावना है । दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों, पश्चिम मध्य भारत के अनेक स्थानों और उत्तरपश्चिम भारत के इक्का-दुक्का हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है । देश के शेष क्षेत्रों में जलवायु संबंधी संभावनाएं होने का पूर्वानुमान है। मानचित्र में बिंदीदार क्षेत्रों में फरवरी माह के दौरान जलवायु के अनुसार बहुत कम वर्षा होती है और भूमि क्षेत्रों के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायु संबंधी संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

3. फरवरी 2023 के लिए संभाव्य तापमान पूर्वानुमान

चित्र.2 और चित्र.3 फरवरी 2023 के लिए क्रमशः न्यूनतम और अधिकतम तापमान की संभावना दिखाते हैं। न्यूनतम तापमान के लिए संभावना पूर्वानुमान इंगित करता है कि फरवरी 2023 माह के दौरान, देश के अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से कम रहने की संभावना है केवल पूर्वोत्तर भारत और इसके आस-पास के पूर्वी भारत, पश्चिम तट के उत्तरी भागों और उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की अधिक संभावना है । देश के शेष क्षेत्रों में जलवायु संबंधी संभावनाओं (सफेद छायांकित क्षेत्रों द्वारा इंगित) की प्रगुक्ति की जाती है ।

अधिकतम तापमान के लिए संभाव्यता पूर्वानुमान (चित्र. 3) इंगित करता है कि फरवरी 2023 माह के दौरान, प्रायद्वीप भारत के अधिकांश हिस्सों और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। पूर्व और पूर्वोत्तर भारत, पूर्व मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों और उत्तर-पश्चिम और पश्चिम मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। देश के शेष क्षेत्रों में सामान्य अधिकतम तापमान या जलवायु संबंधी संभावनाएं (सफेद छाया वाले क्षेत्रों द्वारा इंगित) की प्रागुक्ति की जाती है।

4. प्रशांत और हिंद महासागर में समुद्र सतह तापमान (एसएसटी/SST) की स्थिति

वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में ला-नीना (La Nina) की स्थिति बनी हुई है। नवीनतम एमएमसीएफएस/MMCFS पूर्वानुमान यह संकेत दे रहा है कि आने वाले महीनों में ला-नीना स्थितियों के कमजोर होने की संभावना है।

वर्तमान में, तटस्थ आईओडी/IOD स्थितियां हिंद महासागर पर प्रचलित हैं और नवीनतम एमएमसीएफएस/MMCFS पूर्वानुमान इंगित करता है कि तटस्थ आईओडी/IOD स्थितियां पूरे

पूर्वानुमान अवधि के दौरान जारी रहने की संभावना[4] है।

5. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम श्रेणी की पूर्वानुमान सेवाएं

आईएमडी प्रत्येक सप्ताह गुरुवार को, अपडेट किए गए, देश भर में वर्षा और अधिकतम और न्यूनतम तापमान के विस्तारित रेंज के पूर्वानुमान (अगले चार हफ्तों के लिए 7-दिन का औसत पूर्वानुमान) भी जारी करता है । यह वर्तमान में आईएमडी/IMD में परिचालित मल्टी-मॉडल एन्सेम्बल डायनामिकल एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्टिंग सिस्टम पर आधारित है । पूर्वानुमान आईएमडी वेबसाइट (https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforcast.php) के माध्यम से उपलब्ध हैं ।विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद आईएमडी/IMD द्वारा प्रतिदिन लघु से मध्यम श्रेणी का पूर्वानुमान जारी किया जाता है ।

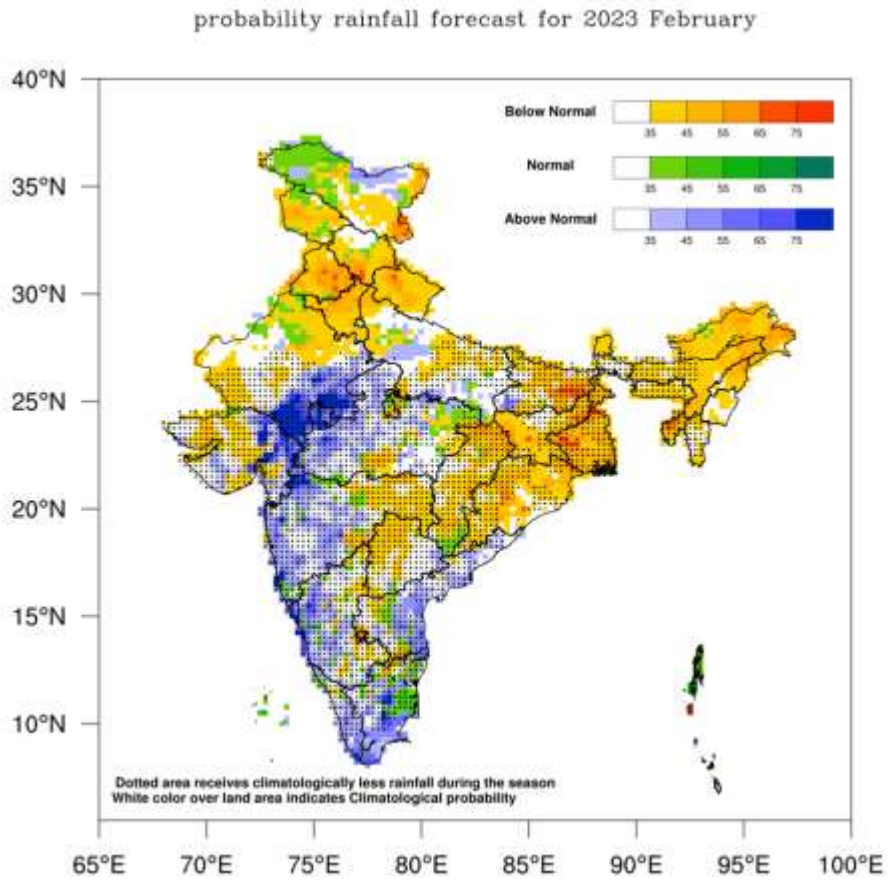

चित्र 1. फरवरी 2023 माह के दौरान भारत में वर्षा के लिए टर्सिल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभावित पूर्वानुमान । यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है । मानचित्र में दिखाया गया बिंदीदार क्षेत्र फरवरी माह के दौरान बहुत कम वर्षा प्राप्त करता है और भूमि क्षेत्रों के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायु संबंधी संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं । (* टर्सिल श्रेणियों में समान जलवायु संबंधी संभावनाएं हैं, प्रत्येक 33.33% की)।

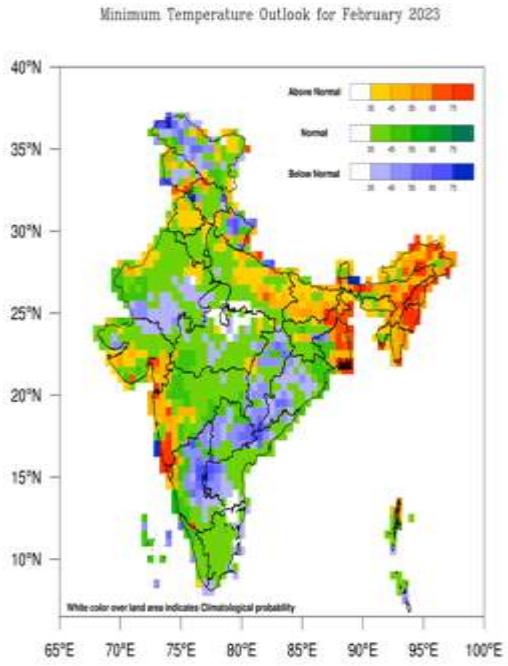

चित्र 2. फरवरी 2023 के लिए न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान ।

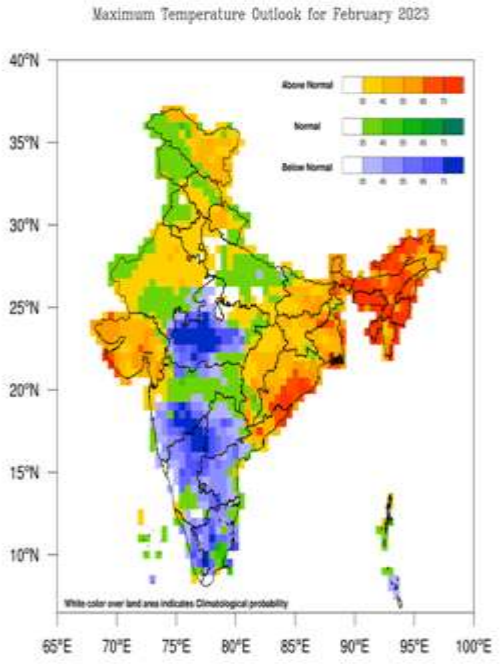

चित्र 3. फरवरी 2023 के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान ।